प्रेस-विज्ञप्ति

‘वायु-चक्रवात’ से निपटने के लिए दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार ने ली आपदा प्रबंधन की आपात बैठक

चक्रवात से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह चाक-चौबंद

दीव 11 जून, 2019: आज समाहर्तालय सभागार, दीव में जिला समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित हुई जिसमें संभावित ‘वायु-चक्रवात’ से निपटने के लिए विशेष तैयारियों की समीक्षा की गई एवं दिशा-निर्देश जारी किये गये। चक्रवातीय आपदा से निपटने के लिए दीव समाहर्ता ने आपात बैठक बुलाई जिसमें दीव के सभी अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, अहमदाबाद से प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 जून की मध्य रात्रि को ‘वायु-चक्रवात’ का दीव के तटीय क्षेत्र पर दस्तक देने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक दीव में आने के समय इस चक्रवात की रफ्तार 130 से 155 किलोमीटर प्रति घंटे होने का अनुमान है। इससे पोरबंदर और महुआ तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करती हुई दीव के कई इलाकों को प्रभावित करने की प्रबल आशंका जताई गई है।

ध्यातव्य है कि 10 जून को लक्षद्वीप के अमिनीदेवी से 320 किलोमीटर दूर अरब सागर से उठे इस चक्रवात से महाराष्ट्र गुजरात के कई क्षेत्रों के प्रभावित होने की संभावना है। ‘वायु’ चक्रवात द्वारा पोरबंदर से महूआ के मध्य सभी क्षेत्रों के प्रभावित होने की प्रबल आशंका है। इस क्रम में दीव जिला भी शामिल है। दीव के जिला समाहर्ता ने अपने अधीनस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिशा-निर्देश जारी करते हुए तत्काल राहत एवं बचाव कार्य में शामिल होने का आदेश दिया है। दीव जिले के सभी विद्यालयों को दिनांक 12 से 14 जून तक बंद करने के आदेश जारी किये गये हैं। वणांकबारा, साउदवाडी, जोलावाडी, घोघला एवं बुचरवाडा के तटीय क्षेत्र में निवास करनेवालों को तत्काल हटाकर राहत शिविरों में रखने का आदेश दिया गया है।

दीव के अलग-अलग विस्तारों में **कुल 30 राहत शिविरों** को तैयार करने के दिशा-निर्देश दे दिये गये हैं, जिसमें प्रभावित परिवारों को आश्रय दिया जाएगा। **इनमें घोघला में 6 राहत शिविरों की स्थापना की गई है, जिनमें पंजरापोर विद्यालय, जांपा उच्च विद्यालय, घोघला इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सिद्धिविनायक सामुदायिक भवन, गणेश नगर सामुदायिक भवन और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घोघला का सभागार शामिल है।**

इसी तरह दीव शहर में कुल 8 राहत एवं बचाव शिविरों की स्थापना की गई है जिनमें गांधीपारा सामुदायिक भवन, दीव शिक्षा कार्यालय, किला के निकट माध्यमिक विद्यालय एवं

उच्च्तर माध्यमिक विद्यालय, पर्यटन कार्यालय, विद्युत कार्यालय और गांधीपारा विद्यालय एवं आंगणवाड़ी शामिल हैं।

साथ ही दीव के ग्रामीण विस्तार में भी 16 राहत एवं बचाव शिविरों की स्थापना प्रशासन द्वारा की गई है। इन राहत शिविरों में एज्यूकेशन हब, वणांकबारा बालिका उच्च विद्यालय, वणांकबारा बस स्टैंड के समीपवर्ती विद्यालय, साऊदवाडी विद्यालय, वडलीमाता विद्यालय, गोमतीमाता समुद्रतट पर सामुदायिक भवन, शिव-सदन, नागोवा विद्यालय, जोलावाडी पंचायत भवन, बुचरवाडा विद्यालय, दागाची विद्यायल, जे.एन.वी. के सामने वाला विद्यालय, वणांकबारा पंचायत भवन, साऊदवाडी पंचायत भवन, बुचरवाडा पंचायत भवन एवं उप-केन्द्र के निकट दागाची विद्यालय शामिल हैं। इन शिविरों में खाने-पीने की व्यवस्था के साथ-साथ शौचालयों की भी पूर्ण व्यवस्था की गई है। जिला समाहर्ता ने लोगों से अपील की है कि वह अपने कीमती सामानों को अपने साथ लेकर निकटतम राहत शिविरों का आश्रय लें, जब यह चक्रवात थम जाएगा तो वे अपने घरों में वापस जा सकते हैं। कीमती सामानों को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन मालखाना की तैयारी भी कर रही है जहां प्रभावित परिवार अपने सामानों को रख सकेगा।

राहत एवं बचाव कार्य हेतु ग्रामीण विस्तार में 3 और शहरी विस्तार में 3 टीमों को बनाया गया है। प्रत्येक टीम में 6 सदस्य होंगे। इसमें चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए नर्स और पुलिसकर्मी की तैनाती होगी। साथ ही प्रत्येक टीम में आपदा सहायता हेतु स्वयंसेवक भी तैनात होंगे।

पुन: समाहर्ता महोदय ने दीव आने वाले पर्यटकों से अगले तीन दिनों तक दीव नहीं आने की अपील की है, साथ ही पुलिस विभाग एवं पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वे 12 जून के दोपहर तक सभी बीचों को पर्यटकों एवं अन्य लोगों से खाली करवा लें। कोई भी व्यक्ति समुद्रतट या उसके आस-पास नहीं होना चाहिए। वाहनों में लाऊडस्पीकर लगाकर लोगों को सर्तक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जो लोग समुद्री किनारों पर निवास करते हैं उन्हें तत्काल घर खाली करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही प्रशासन की 6 टीम समुद्र-तटों पर निवास करने वाले लोगों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से घर खाली कराने के काम में जुट गई है। होटलों और पर्यटन स्थलों पर भी इस तरह के प्रचार प्रसार का कार्य शुरू कर दिया गया है ताकि प्रदेश में आनेवाले पर्यटक किसी भी प्रकार की मुश्किलों से अवगत हो सकें और सुरक्षित रह सकें। लोगों की सुविधा हेतु आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। अगर कोई चक्रवात से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सूचना देना चाहता है तो वह आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की दूरभाष सं.02875-252111 / 252444 पर कॉल कर सकता है। साथ ही चक्रवात से निपटने के लिए हेल्पलाईन नम्बर 02875-252081 एवं 1950 भी जारी किया गया है।